**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 215**

**01 दिसम्बर, 2015 को उत्तर के लिए**

**उत्तराखंड में सीमा सड़कों का रखरखाव**

**215. श्री राज बब्बर :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भू-स्खलन और भारी बारिश के कारण उत्तराखंड के चमोली जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 58 का लम्बागड खंड काफी समय तक अवरुद्ध रहा ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान यह खंड वर्ष-वार कितने दिनों तक अवरुद्ध रहा जिससे यातायात प्रभावित हुआ ; और

(ग) तीर्थ यात्रा, पर्यटन और चीन सीमा पर महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठान होने के दृष्टिकोण से इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा इस राष्ट्रीय राजमार्ग को वर्ष-भर वाहन चलाने योग्य बनाए रखने हेतु कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) और (ख) : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग 58 (एनएच-58) सीमा सड़क संगठन को सौंपा गया है । विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान एन एच 58 पर लम्बागड खण्ड भू-स्खलन और भारी बारिश के कारण निम्नानुसार अवरुद्ध रहाः-

वर्ष 2012 - 12 दिन

वर्ष 2013 - 76 दिन

वर्ष 2014 - 32 दिन

वर्ष 2015 - 36 दिन

…2/-

-2-

(ग): सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एन एच-58 की 368 कि.मी. (रुद्र प्रयाग) से 528 कि.मी. (माना) तक के लिए पुनर्स्थापना/ विकास जिसमें समस्याजनक/भू-स्खलन अवस्थितियों हेतु निवारक उपायों सहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए एक परामर्शदाता की नियुक्ति की है और तदनुसार लम्बागड खण्ड हेतु लगभग 91.88 करोड़ रुपयों की लागत पर समस्या-निवारण का कार्य उत्तराखण्ड के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सौंपा गया है ।

\*\*\*\*\*